shift the construction accounts office and executive engineer's office from Trivandrum Railway Division to Madras; and

(b) if so, what are the details thereof and what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) No. As far as Accounts Office is concerned all the staff employed in the Construction Closing Cell at Trivandrum have been absorbed in the newly set up Trivandrum Divisional Accounts Office. Casual labour staff have been transferred under the Executive Engineer, Trivandrum. The posts against which the staff transferred to Trivandrum Division had been working, have been surrendered after their transfer. Therefore, there is no construction Accounts Office as such at Trivandrum.

The Executive Engineering Office at Trivandrum Central will continue for a years more depending on the volume of work.

(b) Does not arise.

अफगानिस्तान में चीनी छापामार

105. **श्री सदाशिव बागाईतकर :** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को अफ़गानिस्तान के कुछ क्षेत्रों में चीनी छापामारों के मौजूद होने के बारे में कोई सूचना प्राप्त हुई है ;

(ख) क्या अफ़गानिस्तान की वर्तमान स्थिति भारत की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रही है और इस उप-महाद्वीप की शांति के लिए खतरा बन गयी है ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार भारत की सुरक्षा की दृष्टि से क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है?

†[**Chinese guerillas in Afghanistan**

105. SHRI SADASHIV BAGAITKAR: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have received any information about the presence of Chinese guerillas in some areas of Afghanistan;

(b) whether the prevailing situation in Afghanistan is posing a threat to the security of India and has endangered the maintenance of peace in the sub-continent; and

(c) if so, what action Government propose to take for the security of India?]

विदेश मंत्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव) (क) जी नहीं । लेकिन सरकार ने समाचार-पत्रों में ऐसी खबरें देखी हैं कि अफ़गानिस्तान के कुछ भागों में चीनी कार्मिक मौजूद हैं । इन खबरों की स्वतन्त्र रूप से कोई पुष्टि नहीं हो पायी है ।

(ख) और (ग). अफ़गानिस्तान की हाल की घटनाओं से तथा इस क्षेत्र की बाद की घटनाओं से भारत की बहुत अधिक चिन्ता हुई है और इन घटनाओं पर सरकार गम्भीर रूप से ध्यान दे रही है । सरकार ने जोर देते हुये यह बात कही है कि अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में शक्ति के प्रयोग के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली कोई स्थिति और किसी प्रभुसत्ता प्राप्त राज्यों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप या दखलंदाजी अस्वीकार्य है । सरकार को यह आशा है कि तनाव को और बढ़ने से रोकने के उद्देश्य से कोई भी राज्य कोई ऐसी कार्यवाही नहीं करेगा

†[ ] English translation.

जिससे बड़े राष्ट्रों के बीच प्रतिद्वन्दिता बढ़ती हो और शीत-युद्ध फिर शुरू हो सकता हो, खासकर हथियारों के खतरनाक जमाव से जिससे कि संवेदनशील क्षेत्रों में शांति और स्थायित्व को खतरा हो सकता है।

निरन्तर विकसित होती हुई स्थिति में सरकार घटनाओं पर बहुत सावधानी के साथ इस दृष्टि से ध्यान रख रही है कि इस स्थिति को जैसे भी हो समाप्त किया जाये और उसे हर्गिज भड़कने न दिया जाये।

†[THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): (a) No, Sir. Government have, however, seen press reports indicating the presence of Chinese personnel in some parts of Afghanistan. There is no independent corroboration of these reports.

(b) and (c) Recent developments in Afghanistan and subsequent developments in the region have caused India much concern and these developments have been engaging the serious attention of the Government. Government have emphasised that any situation arising out of the use of force in international relations and intervention or interference in interal affairs of sovereign States is inadmissible. Government believe that in order to stop further escalation of tension, all States should refrain from any action which could intensify great power rivalry and bring back the cold war, especially through dangerous arms build-up liable to threaten peace and stability in sensitive regions.

In a constantly evolving situation, Government continue to assess developments carefully with a view to defusing the situation rather than permitting its aggravation.]

पाकिस्तान की सुरक्षा के संबंध में संयुक्त राज्य अमरीका को चिन्ता

106. **श्री नागेश्वर प्रसाद शाही :** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान संयुक्त राज्य अमरीका के भतपूर्व विदेश मंत्री, डा० किसिजर के इस कथित बयान की ओर दिलाया गया है कि संयुक्त राज्य अमरीका को पाकिस्तान की सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले लेनी चाहिये और इसके लिए उसे पाकिस्तान में हवाई और समुद्री फ़ौजी अड्डे कायम करने चाहिए; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस बारे में क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

†[U.S. concern over Pakistan's Security

106. SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the reported statement made by Dr. Kissinger, former foreign Secretary of U.S.A. to the effect that U.S.A. should take the responsibility of the security of Pakistan and for that purpose it should construct air and naval military bases in Pakistan; and

(b) if so, what steps are being taken by Government in this regard?

विदेश मंत्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव): (क) जी, हां। सरकार ने इस आशय की खबरें देखी हैं।

(ख) सरकार ने बार-बार इस बात कय उल्लेख किया है कि हम किसी भी देश में विदेशी सैनिकों की उपस्थिति के खिलाफ़ हैं और विशेष रूप से ऐसी स्थिति में जब कि अड्डे हमारे पड़ोस के देश में हों।

†[ ] English translation.